| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| 16. | वलसाड | 40.00 | 320.00 |
| 17. | डांग्स | 5.00 | 50.00 |
| | कुल : | 485.00 | 3580.00 |

**रोजगार आश्वासन योजना**

6537. **श्री राम जेठमलानी:**
**श्रीमती सुषमा स्वराज:**

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश के कतिपय क्षेत्रों में रोजगार आश्वासन योजना प्रारभ की गई है;

(ख) यदि हां, तो इस योजना के अंतर्गत अभी तक कुल कितने लोगों को रोजगार दिये गए हैं;

(ग) किन-किन राज्यों के कितने-कितने प्रखण्डों में यह योजना अब-तक चालू की जा चुकी है और कितने ऐसे शेष प्रखण्डों की पहचान की जा चुकी है जहां इस योजना को लागू किए जाने का विचार है;

(घ) क्या इस योजना का विस्तार करने की भी कोई योजना बनाई गई है; और

(ङ) यदि हां, तो देश के समस्त पिछड़े और निर्धन प्रखण्डों में कब तक इस योजना को लागू करने का लक्ष्य है?

**ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्य मंत्री (श्री उत्तमभाई पटेल):** (क) जी हां, सुनिश्चित रोजगार योजना 2 अक्टूबर, 1993 से सभी राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों (गोवा, पंजाब, दिल्ली चंडीगढ़ और पांडिचेरी को छोड़कर) में कार्यान्वित की जा रही है।

(ख) केन्द्र द्वारा योजना के अंतर्गत प्रगति पूरे किए गए कार्यों की संख्या और सृजित श्रमदिनों की संख्या के आधार पर निगरानी की जा रही है। योजना के शुरू होने से लेकर अब तक कुल 1,11,958 कार्यों को पूरा किया गया है जिनसे 2,915 लाख श्रमदिनों का सृजन हुआ।

(ग) प्रत्येक राज्य, जिसमें योजना कार्यान्वित की जा रही है, में खण्डों की संख्या दर्शाने वाला एक विवरण संलग्न है। **(नीचे देखिए)**

(घ) जी नहीं।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता।

**विवरण**

**1995-96 में सुनिश्चित रोजगार योजना के अंतर्गत कवर किए गए खण्डों की संख्या दर्शाने वाला विवरण**

| क्रमांक | राज्य/संघ शासित क्षेत्र | सुनिश्चित रोजगार योजना खण्डों का नाम |
|---|---|---|
| 1. | आन्ध्र प्रदेश | 155 |
| 2. | अरुणाचल प्रदेश | 56 |
| 3. | असम | 142 |
| 4. | बिहार | 266 |
| 5. | गुजरात | 137 |
| 6. | हरियाणा | 44 |
| 7. | हिमाचल प्रदेश | 18 |
| 8. | जम्मू व कश्मीर | 80 |
| 9. | कर्नाटक | 119 |
| 10. | केरल | 21 |
| 11. | मध्य प्रदेश | 297 |
| 12. | महाराष्ट्र | 173 |
| 13. | मणीपुर | 22 |
| 14. | मेघालय | 32 |
| 15. | मिजोरम | 20 |
| 16. | नागालैंड | 28 |
| 17. | उड़ीसा | 175 |
| 18. | राजस्थान | 172 |
| 19. | सिक्किम | 4 |
| 20. | तमिलनाडु | 89 |
| 21. | त्रिपुरा | 18 |
| 22. | उत्तर प्रदेश | 248 |

| | | |
|---|---|---|
| 23. | पश्चिम बंगाल | 128 |
| 24. | अण्डमान निकोबार द्वीपसमूह | 2 |
| 25. | दादर व नगर हवेली | 1 |
| 26. | दमन व द्वीव | 1 |
| 27. | लक्षद्वीप | 5 |
| | कुल (अखिल भारत) | 2448 |

**गांवों के लिए व्यावहारिक प्रौद्योगिकी की उपयोगिता**

6538. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि अनुसंधान संस्थानों की सहायता से विकसित की गई अनुप्रयुक्त प्रौद्योगिकी गांवों के लिए भी उपयोगी है;

(ख) यदि हां, तो क्या इस प्रौद्योगिकी को ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने के लिए कोई उपाय किये गये हैं;

(ग) क्या सरकार ने उक्त प्रौद्योगिकी को गांव तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र सरकारों को सहायता तथा मार्गदर्शन दिये जाने का कोई निर्णय लिया है; और

(घ) मध्य प्रदेश सरकार को ग्रामीण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उपलब्ध कराई गई सहायता और राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों आदिवासी बहुल क्षेत्रों में इस प्रौद्योगिकी का विस्तार किये जाने का ब्यौरा क्या है?

**प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री तथा परमाणु ऊर्जा तथा अंतरिक्ष विभागों में राज्य मंत्री तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भुवनेश चतुर्वेदी):** (क) से (ग) जी, हां। राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद/विभागों और स्वैच्छिक एजेंसियों के सहयोग से विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने अनुसंधान संस्थानों की मदद से विकसित की गई प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में कमजोर वर्गों के लाभ के लिए प्रदर्शन कार्यक्रम उत्प्रेरित किए हैं।

(घ) यद्यपि मध्य प्रदेश सरकार को ग्रामीण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशिष्ट सहायता प्रदान नहीं की गई है, तथापि उपर्युक्त प्रौद्योगिकियों का विस्तार करने वाली परियोजनाओं/कार्यक्रमों को स्वयंसेवी संगठनों एवं विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थानों के माध्यम से सहायता दी जा रही है और कार्यान्वित किया जा रहा है।

**Products Developed by CFTRI, Mysore**

6539. SHRI K. RAHMAN KHAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what are the new products developed by the Central Food Technological Research Institute (CFTRI), Mysore for commercial exploitation during 1992-93, 1993-94 and 1994-95;

(b) how many products have been developed so far and how many of them have been available for commercial exploitation;

(c) how many of them are patented; and

(d) whether the C.F.T.R.I. has transferred its technology to any other country, if so, the names of the countries?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE AND MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF ATOMIC ENERGY SPACE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY (SHRI BHUVNESH CHATURVEDI): (a) New processes for products developed by Central Food Technological Research Institute, Mysore in the years 1992-93, 1993-94 and 1994-95 are indicated in the statement; *(see* below)

(b) Over the years, CFTRI has developed around 300 processes for products of which around 250 are available for commercial exploitation; the remaining processes/products need further work before they could be made available for commercial exploitation.

(c) Forty eight (48) processes are covered by patents;

(d) CFTRI has transferred its technologies to Malaysia & Nepal for